1 कुरिन्थियन

1 पौलुस की ओर ते, जउन परमेसुर कि इच्छा ते
यीसु मसीह के परेरितन होवै क बुलावा गवा
अउर भइय्या सोरिथनेस के औरे ते।
2परमेसुर कि ऊ कलीसिया कि नाम जउन कुरिन्थुस
मइहां यानी उके नाम जउन मसीह यीसु म पवित्तर
किये गए रहै, अउर पवित्तर होय केर बुलाए गए रहै,
अउर उइ सबन के नाओ जउन हर जगह (जगह–जगह)
हमार अउर अपन परभु यीसु मसीह क नाम में
पराथना करेत हइ।
3हमरे बाप परमेसुर अउर परभु यीसु मसीह कि
ओर ते तुहि अनुगरह अउर सानती मिलत रहइ।

धन्यबादु

4हम तुमरे बारे म अपन परमेसुर क धन्यबादु सदा
करित हइ, यहिते कि परमेसुर क ई अनुगरहौ तुइ पै
मसीह यीसु म भवा। 5उइ मा हुइ कै तुइ हर बातन
यानी सबहिन बचनन अउर सबहिन ग्यानन म धनी
कीन गएउ। 6कि मसीह कि गवाही तुइ मा पक्की
निकरी। 7हियां तलक कि कउनउ बरदानउ म तुइका
घाटा नाहीं, अउर तुइ हमार परभु यीसु मसीह क
परगट होइ क बाट जोहत रहत हौ। 8ऊ तुहै अनन्त
तलक मजबूत करी कि तू हमार परभु यीसु मसीह क
दिन म निरदोस ठहरौ। 9परमेसुर सच्चा हइ, विसवासु
करै वाल हइ, जेहि तुइ अपन बेटवा हमार परभु यीसु
मसीह की संगति म बुलाइस हइ।

कलीसियन मा फूट–दलबन्द

10हे भइयों हम तुहितो यीसु मसीह जउनु हमार
परभु हइ ऊ के नाम ते बिनती करति हउ, कि तुइ
सबइ एकइ बातु कहौ। तुइ मा दलबन्दी मुला एकहि
मन अउर एकहि मत होइके मिले रहौ (एक रहौ)
11काहे ते हे हमार भइयौं, खलोए के परिवार के
लोगन ते हमका तुम्हार, बारे म बताइन हइ कि तुइ
मां झगड़उ होत रहत हय। 12हमार ई कहब है, कि
तुइ मा ते कोउ अपन आप क पौलुस क, कोउ
अपुल्लोसक कोउ कैफाउ, कोउ मसीह क कहत है।
13का मसीह बटि गवा? का पौलुस तोहार खातिर
सलीब प चढ़ावा गवा? का तुहै पौलुस के नाम पै
बपतिसमा पायेउ? 14हम परमेसुर क धन्यबादु करत
हउ कि क्रिस्युस अउर गयुस क छोड़ि, हम तुम मां
ते कउनउ क बपतिसमा नाहीं दियेन। 15कहूं ऐस न
होय कि कउनउ कहइ, कि तुइ हमार नाम पै बपतिसमा
पाएउ। 16हम स्तिफनास क घरानौ क बपतिसमा
दिहेन। इनहिन क छोड़ि, हम नाहीं जानत कि हम
अउर कउनउ क बपतिसमा दिहेन। 17काहे ते मसीह
मोहिका बपतिसमा देइ क नाहीं, बल्कि सुसमाचारु
सुनावै क भेजिन हइ, अउर यहौ सबदन कै ग्यान क
मुताबिक नाहिन ऐस न होय क मसीह केर सलीब
बेकार जाय।

मसीह परमेसुर केर गियानु अउर सामरथ है

18काहे ते सलीब की कथा नास होइ वालेन क
निकट मूरखता हइ।
19मुला लिखा हय कि हम गियान वालेन क
गियान नासु करिहउं, अउर समझदारन क समझ क
तुच्छ करिहइं।
20कहां हइ गियानवान? कहां हइ सासतरी? कहां
ई संसारु क विवाद करै वाले? का परमेसुर सांसारिक
गियान क मूरखता नाहीं ठहराइस? 21काहे ते जबही
परमेसुर क गियानु के मुताबिक संसारु गियानु ते
परमेसुर क न जानिस, तउन इव परमेसुर क नीक
लाग कि परचारु की मूरखता ते विसवासु करइ
वालेन क मुकती देई। 22यहूदी तौ चीन्ह चाहत हय
अउर यूनानी गियानु क खोज मां हइ। 23मगर हम तौ
उइ सलीब पै चढ़ाए गये मसीह क परचारु करति
हइ, जउन यहूदिन क पास ठोकर क कारन अउर
दूसर धरम मानइ वालेन क नेरे मूरखता हइ। 24मुला
जउन बुलाए गए हयं, का यहूदी का यूनानी उन्हके

पास मसीह परमेसुर कि सामरथ अउर परमेसुर क गियानु हइ। 25काहे ते परमेसुर कि मूरखता मनइन क गियानु ते गियानु वाले हइं। अउर परमेसुर कि निरबलता मनइन क बल ते बहुतै बलवानु हइ।

26हे भाइयौ, अपन बुलाए जान क तौ सोचौ, कि न देह कै, मुताबिक बहुत गियानुवान, अउर न बहुत सामरथवान, अउर न बहुत अच्छे कुल बुलाए गये रहैं। 27मुला परमेसुर जगत कै मूरखन क चुनि लिहिस हय कि गियानु वालन क सरमिन्दा करैं, अउर परमेसुर जगत के कमजोरन क चुनि लिहिस हइ, कि ताकत वालेन लजाय देय। 28अउर परमेसुर जगत के नीचन अउर तुच्छन क, बल्कि जउन हइउं नाहिन उनहुन क चुनिन, काहे ते उइ जउन हइ बेकार ठहरावै। 29जेहिते कउनउ परानी परमेसुर के समुहे सेखी न करै पावै। 30मुला उहि ओर ते तुम, मसीह यीसु हइ, जउन परमेसुर के ओर ते हमार तइ गियानु ठहरौ, यानी धरम अउर पवित्तरता अउर छुटकारउ। 31जेहिते जइस लिखउ हइ, वैसइ होय कि ''जउन सेखी करे तो उइ परभु म घमंड करै''।

2 हे भइयौं, जबइ हम परमेसुर क भेदु सुनइ तइ भये तुहार पास आवा, तौ बचनु या गियानु कि अच्छाई के साथु नाइ आवा। 2हम इवु ठानि लीन रहै कि तोहार बीच यीसु मसीह, बल्कि सलीब पै चढ़ाए गए मसीह क छांड़ि अउर कउनो बात क न जानउ। 3हम निरबलता अउर भय ते, अउर बहुत कांपत भये तोहार साथे रहेउ। 4हमारु बचनु अउर परचारु म गियानु कि लुभावै वाली बातें नाई रहीं, मगर आतमा क अउर सामरथ क परमान रहै। 5यहिते कि तोहार विसवासु मनइन क गियानु पै नाई बल्कि परमेसुर क सामरथ प निरभरु होय।

परमेसुर केर गियानु

6बिसवासु में पक्के लोगन म हम गियानु सुनाइत हइं, मगर इ संसार क अउर ई संसार के नास होय वाले हाकिमन (अधिकारिन) क गियानु नाहीं हय। 7मुला हम परमेसुर क ऊ भेदभरा गियानु, भेदइ की रीति पै बताइत है, जेहिका परमेसुर सनातन ते हमार महिमा कि खातिर ठहराइन रहै। 8जेहिका ई संसार के हाकिमन ते (अधिकारिन म ते) कौनउ नाहीं जानिस, काहे ते अगर जानति तउ महा महिम परभु क सलीब प न चढ़उते। 9मुला जइस लिखइ हय, कि जउन आंखि ते नाहीं देखसि अउर कानु ते नाहीं सुनिसि अउर जउन बातैं मनइन के चित्त मां नाई चढ़ी तउनइ हइं।

10जउन परमेसुर उइका अपन आतमा ते हमन पै परगट किहिन रहै, काहे ते आतमा सबन बातन क, बल्कि परमेसुर की गहन कौ जांचति हइ। 11मनइन म कउन केहि मनइ की बातन केर जानति हइ, खाली मनई की आतमा जउन उहिमा हइ? वैसेइ, परमेसुर केर बातन केहि नाहीं जानत केवल परमेसुर केर आतमा। 12मुला हम मां संसार की आतमा नाहिन, मगर ऊ आतमा पायेन हइं, जउन परमेसुर की ओर ते हइ, कि हम उन बातन क जानी जउन परमेसुर हमका दिहिस हइ। 13जिनहिन क हम मनइन क गियानु क सिखाई भई बातन मां नाहीं, मगर आतमा की सिखाई भई बातन मां आतमा की बातन क आतमा की बातन ते मिलाइ के सुनाइत। 14मुला परान रक्खै वाला मनई परमेसुर कि आतमा की बातन का उदाहरन नाई करत, काहे ते, उइ ऊकी दिरस्टी मां मूरखता की बातें हइं। अउर न ऊ उनहुन क जनि सकत हइ, काहे ते उनकी जांच आतमा क रीति ते होति हइ। 15आतमा क मनई सबै कछु जांचत हइ, मुला ऊ खुदउ काहू ते नाई जांचा जात हइ। 16काहे ते परभु क मन केहि जानि स हइ, जउन वहिका सिखावइ? मुला हम मां मसीह क मनु हइ।

कलिसियान केर विभाजन

3 भइयौ, हम तुइते ई रीति ते बातन क न करि सका, जइसइ आतमिक केर लोगन ते, मुला जइस सरीर वाले लोगन ते अउर उइते जउन मसीह म छोट लरिका हइ। 2हम तुहै दूधु पिलाएन अन्न मांहि खिलाएन, काहे ते तुइ उहिका नाहीं पचाए सकति रहौ, बल्कि अबहूं तलक नाही पचाए सकत हउ। 3काहे ते अबहू तलक सरीर रक्खै वाले हउ, यहि ते कि जबइ तलक तुइ मां डाहु हइ अउर झगड़उ हइ, तब तलक का तुइ सरीर वाला नाहीं? अइस मनई की रीति पै नाहीं चलत? यहिते कि। 4जबै एकु कहति हय, हम। पौलुस केर हउं, अउर दूसर कि हमं अपुल्लोस केर हउं तब तलक का तुइ मनई नाहीं?

5अपुल्लोस कहइ, पौलुस क हइ? खाली सेवकु हइ, जेहिते तुइ विसवासु कियउ, जइस हर एकै क परभु दिहिसि। 6हम लगाएन, अपुल्लोस सीचिन मुला परमेसुर बढ़ाइन। 7यहिते न तौ लगाव वाल कछु हइ अउर न सीचइ वाले मुला परमेसुर जउन बढ़ावै वाल हइ। 8लगावइ वाले अउर सींचई वाल दोऊ एक हइ। मुला हर एकु जन अपनेइ परिसरम क मुताबिक

आपनि मजदूरी पइहइ। [9]काहे ते हम परमेसुर केर सहकरमी हन, तुइ परमेसुर केर खेती अउर परमेसुर केर खेत हउ।

[10]परमेसुर केर उइ अनुगरह केर मुताबिक जउन मोहि दियउ गयउ हइ, हमने बुधिमान राज मिसतरी कि नाई बुनियाद डारेन अउर दूसर उइ पर रद्दा राखति हइ, मगर हर एकु जने चौकस रहइ कि ऊ वहि पे कइस रद्दा रक्खति हइ। [11]काहे ते उइ नींव क छांड़ि जउन पड़ी हइ अउर ऊ यीसु मसीह है, कोई दूसरि नींव नाहीं डारि सकत हइ। [12]यदि कउनउ ई आंखि प सोनउ या चांदिउ या बहुमूल पत्थरु या काठु या खर पतवार रद्दउ रक्खइ। [13]तउ हर एकु कइ कामु परगट होइ जाई, काहे ते वहु दिन वहिका बताई, यहिते कि आगि के साथै परगट होई अउर ऊ आगि हर एकु क कामु परखि हइं कि कइस हइ। [14]जेहिका कामु ऊ पै बनइ भवो स्थिर रही, वहु मजदूरी पाई। [15]अउर अगर कोहू क कामु जलि जाई, तउ ऊ हानि उठाई, मुला ऊ खुदौ बचि जाई, मुला जरत जरत।

[16]का तुम जानित हउ, कि तुइ परमेसुर क मन्दिरु हइ। अउर परमेसुर क आतमा तुम मा रहत। [17]मुला कउनउ परमेसुर क मन्दिरु क नास करी तउ परमेसुर वहिका नास करी, काहे ते परमेसुर क मंदिर पवित्तर हइ। अउर ऊ तुम बाटो।

[18]कउनउ अपुन क ध्वाखा न देव। अगर तुम मा ते कउनउ ई संसारु म अपन आपु क गियानी समझि हइं तउ मूरखि बनि हइं कि गियानी हइ जाइ। [19]काहे ते ई संसारु क गियानु परमेसुर क निकट मूरखता हइ, जइस लिखउ हइ, कि ऊ गियानिन क उइकी चतुराई मां फांसि देति हइ। [20]फिर परभु गियानिन कि चिन्तन क (सोचन क) जानति हइ कि बेकार हइ। [21]यहिते मनइन प कउनउ घमन्ड न करै, काहे ते सबही कछु तोहर हइ। [22]का पौलुस, का अपुल्लौस, का कैफा, का जगतु, का जीवनु, का मरनु, का बरतमानु, का भविस्स, सबही कछु तुम्हार हइ। [23]अउर तुइ मसीह क हइ, अउर मसीह परमेसुर क हइ।

यीसु केर चेलन

4 मनइ हमहुक मसीह क सेवकु अउर परमेसुर क भेदन क भन्डारी समझइ। [2]हियाँ भन्डारिन मा ई बात देखी जात हइ, कि विसवासी निकलै। [3]मुला हमरी नजर मा ई बहुतै छोटि बाति हइ, कि तुइ मां मनइन क कोऊ नियाव करै वाल मोहिका परखै, वरन मंइ, अपन क, नाहीं परख। [4]काहे ते हमार मन मोहिते कउनउ बात मं दोसी नाई ठहरावत, मुला ई ते हम निरदोस नाई ठहरत, काहे ते हमार परखन हार, परभु हइ। [5]सो जब तलक परभु न आवै, समय ते पहिलेइ कउनउ बात क नियाव न करौ। वहीं अन्धियारु कि छिपी भई बातें जोयति म (परकास मं) दिखाई, अउर मनउ की भेदन क परगट करीं, तबै परमेसुर कि ओर ते हर एकु की परसंसा होई।

[6]हे भाइयों, हम इन बातन मं तोहार खातिर अपन अउर अपुल्लोस कि चरचा दिरिस्टान्तन (उदाहरनन) की रीति पै कीन हइ। यहिते कि तुइ हमरेइ दुआरा ई सीखौ, कि लिखे हुए ते आगेइ न बढ़ौ, अउर एकु के पच्छ म अउर दूसर क विरोधु मं गरब न करेउ। [7]तुम मां अइसन का है कि तुमका लोग महान समझति हन? अउर तुम्हरे पास का है जउन तुमका मिला न हो? अउर अगर अगर तुमका मिला हय तौ तुम काहे घमंड करत हौ।

[8]मानौ तुमका दुसरे ते नाहीं मिला तुम तौ तिरपित होइ चुके हौ अउर तुम धन्य होइ चुकै हौ। [9]हमरी समझ मां परमेसुर हम परेरितन केर सबहिन केर बाद उइ लोगन कि नाई ठहरावा हइ, जेहि की मिरतू की आगया होइ चुकी हइ। काहे ते हम जगत अउर सरग दूतन क अउर मनइन के खातिर एकु तमासउ ठहरेइ हइ। [10]हम मसीह के खातिर मूरख हईं, मुला तुइ मसीह म बुधिमान हउ। हम निरबल हन, मुला तुइ बलवानु हइ। तुइ आदर पावति हइ, मुला हमार निरादर होत हइ। [11]हम इ घड़ी तक भूखे—प्यासे अउर नंगे हइं अउर घूसौ खाइत हइं, अउर मारे—मारे फिरत हइ, अउर अपन हाथन ते काम करि कै परिसरम करित हइ। [12]लोगन बुरा कहति हइं, हम आसीस देइत हइं। उइ सतावत हइं, हम सहित हइं। [13]वइ बदनामु करत हइं, हम विनती करति हइं हम आजु तलक जगत क बहारन अउर सबै सामानन कि खुरचुन की नाई ठहरे हन।

[14]हम तोहिका लज्जित करै क बातन क नाई लिखित मुला अपन दुलारा पूत जानिकै तुइ का चिताइत हइ। [15]काहे ते अगर मसीह म तोहार सिखावै वाले दस हजारै होत, तबौ तोहर बाप बहुत नाहिन, चहिते कि मसीह यीसु म सुसमाचारु कि खातिर हम तोहार बाप भयउ। [16]सो हम तोहिते विनती करति हउ कि हमरी जइस चाल चलौ। [17]यहिते हम तिमुथियुस क जउन परभु म मोर पियार अउर विसवासु योग बेटवा हइ, तोहरे पास भेजेन हइ अउर वहु तुइका मसीह म हमार चरित समरथ (याद) करइहैं। जइस कि हम हर जगह पे हर एकु मंडली उपदेसु

करति हइ।

18कितनइ तौ अइस फूलि गये हइ, मानौ हम
तौहार पास आवैक नाहीं। 19मुला परभु चाहइं तउ
हम तोहारे पास सीधै आइहौं, अउर उइ फूले हुअन
कि बातन क नाहीं, मुला उइ की सामरथउ क जानि
ले हौं। 20यहिते परमेसुर क राज बातन मां नाहीं,
मुला सामरथ म हइ। 21तुइ का चाहत हइ? का हम
छड़ी लेइ तोहरे पास आई या परेम अउर नमरता कि
भावना साथइ?

दुराचार केर भयंकर उदाहरन जऊन ना होय के चाही

5 हियां तक सुनै म आवत हइ तुइमा विभचारु
होत हइ। बल्कि अइस विभचारु जउन दुसरे
धरम म मानइ वाले नौ म नाई होत, कि एकु मनई
अपन बाप कि पतनिउ केर राखत है। 2अउर तुम
सोक तौ नाई करत जेहिते ऐस काम करइ वाले तोहरे
बीचु मे ते निकरि जाति, मुला घमन्डु करत हउ। 3हम
तो सरीर क भाव ते दूरि रहउ मुला आतमक भाव ते
तोहरे साथ होइकै मानउ उपस्थिति की दसा म ऐस
काम करइ वालेन बारे म ई आगिया दै चुकै हन।
4कि जबै तम अउर हमार आतमा हमरे परभु यीसु
की सामरथ केर साथै यकट्ठे होय। तौ ऐस मनई हमार
परभु यीसु क नाम ते। 5सरीर क विनास के खातिर
सैतान क सौंपइ जाय, जेहिते ऊ की आतमा परभु
यीसु क दिनम उद्धार पावै।

6तोहार घमन्डु करब नीक नाहीं। का तुइ नाई
जानत कि थोड़इ सा खमीर पूरे गूंथे गये आटा क
खमीर करि देत हइ। 7पुरान खमीर निकारि कइ अपन
आप क सुद्ध करौ कि नया गूथा भवा आटा बन
जाउ। जेहिते तुइ अखमीरी होउ, काहे ते हमारौ फसह
जउन मसीह हइ। बलिदान भयो हइ। 8सो आपु, हम
उतसव म, आनन्द मनावइ, नाहीं तौ पुराने खमीर ते
अउर न बुराई अउर दुस्टता के खमीर ते, मुला सिध
ाई अउर सचाई की असीमीरी रोटी ते।

9हम अपन पतरी म तुइका लिखेन, कि विभिचारिन
कि संगति न करेउ। 10ई नाई कि तुइ बिलकुल ई
जगत क विभचारिन या लोभिन या अनधेरु करै
वालेन या मूर्ति पूजन की संगति न करौ, काहे ते ई
दसा म तौ तुहै जगत म ते निकरि जाइक पड़ति।
11हमार कहबु यहु हइ कि अगर कउनउ भाई कहिलाइ
कै विभचारी लोभी, या मूर्ति पूजइ वाल होइ तौ
उइकी संगति न करेउ, वरन ऐस मनइ क साथै खानौ
क खायेउ।

12काहे ते मोहिका बाहर वालेन क नियाउ करै ते
कउनु कामु। का तुइ भीतर वालेन क नियाव नाहीं
करत। 13मुला बाहर वालेन क नियाउ परमेसुर करत
हइ। यहिते उइ कुकरम करै वालेक अपन बीचु म ते
निकारि देउ।

मसीही मइहन मुकदमा बाजी

6 का तुइ मा ते कोइ क ई हियावु हइ कि जब
दुसरे क साथ, झगड़ा होय, तौ फैसला के
खातिर अधरमिन के समीप जावै, अउर पवित्तर लोगन
के नगीचे न जावै? 2का तुइ नाइ जानति कि पवित्तर
लोग जगत क नियाव करहिइं? सो जबै तुहैं जगत क
नियावु करै क हइ तौ का तुइ छोट ते छोट झगड़नै
क निरनय करै के योग नाईं? 3का तुइ नाई जानत,
कि हम सरग के दूतन क नियाव करि हैं? 4तउ का
संसार कि बातन क फैसला करइक होय तौ का
उनहिन क बैठे हौ जउन कलीसिया म कछु नाई
समझे जात हइ। 5हम तोहका लज्जित करै क ई
कहति हौ का सचमुच इ तुइ मा एकौ बुधिमान नाई
मिलत, जउन अपन भइयन क फैसला करि सकै।
6बल्कि भाई—भाई म मुकदमा होत हइ। अउर वहौ
अविसवासुन क समुहे।

7मुला सचमुचइ तुम मा बड़उ दोसु तौ ई हइ कि
आपस म मुकदमा करत हउ। तुइ अनयाय काहे नाई
सहति? अपन हानि क काहे नाई सहति? 8वरन्
अनयाउ करत अउर हानिउ पहुंचावति हउ अउर वहौ
भाइन क।

9का तुइ नाई जानति कि अनियायी लोग परमेसुर
क राज के वारिस न हुइ हैं? धोखा न खाउ, न
वेस्यागामी, न मूरति पूजइ वाले, न दरस्तरी गामी, न
लुच्चे, न मनई गामी। 10न चोर, न लोभी, न दारुबाज
न गारी देइवाले, न अनधेरु करइ वाले परमेसुर क
राज के वारिस हुइहैं। 11अउर तुइ मां ते कितनेइ ऐसेइ
हैं, मुला तुइ परभु यीसु मसीह क नाम ते अउर हमार
परमेसुर क आतमा ते धोए गए अउर पवित्तर भये
अउर धरमी ठहरें।

अपवित्तरता सइहन दूर भागेव

12सबै वसतुवै मोइ खातिर उचितउ हइं, मुला सबै
सामानन हमरे खातिर उचितइ हइं। मुला हम कोई
बात क आधीन न होइब। 13भोजनु पेट की खातिर
अउर पेटु भोजन कइ खातिर हइ। 14मुला परमेसुर
अपन सामरथ ते परभु क जिलाइस अउर हमहुक
जिलइहैं। 15का तुइ नाई जानत हउ कि तुमार देहउ

मसीह अंग हइ? तउ का हम मसीह का अंगु लै कइ उनहुक वैस्या क अंगु बनाई? कदापि नाई। 16का तुइ नाई जानति हउ कि जउन कोई वैस्या ते संगति करइ हइ, ऊ उहिके साथु एकु तनु होइ जाति हइ, काहे ते ऊ कहति हइ कि उन दोनौं एकु तनु हइं। 17अउर जउन परभु कि संगति म रहत हइ, वहु ऊ के साथै एकु आतमा होइ जात हइ।

18वेभिचारु ते बचेइ रहेउ। जितनेउ दूसर पाप मनई करत हइ तेइ देह के बाहर हइ। अगर वेभिचारु करइ वाल अपनइ देह के खिलाफ पापु करति हइ। 19का तुइ नाई जानत हइ कि तोहार देह पवित्तर आतमा क मंदिर हइ जउन तुइ मा बसति हइ अउर तुहै परमेसुर कि ओर ते मिला हइ? तुइ अपन नाई हइ। 20काहे ते दाम देइ के मोलु लिए गए रहउ। यहिते अपनी देहि परमेसुर क महिमा करउ।

बियाहु

7उइ बातन के बारे मां जउन तुइ लिखिस, यहु नीक हइ, कि पुरुस इह तना न छुवै। 2मुला वेभुचारु क डरते हर एकु मनई केर मेहरारु अउर हर एक इस तना पति होइ। 3पति आपन मेहरारु क हकु पूर करै अउर वैसेइ मेहरारु अपन पति का। 4पतनिक अपन दयाह पै अधिकारु नाई मगर उहिके पति केर अधिकारु हइ, वैसेइ पति का अपन देह प अधिकारु नाई मुला मेहरारु हइ। 5तुइ एक दूसर ते अलग रहउ, मुला केवल कछुक समय तलक आपस कि सहमति ते कि पराथना केर खातिर अवकासु मिलइ, अउर फिर एु साथै रहउ। ऐस न होइ कि तोहरे असंयमु के कारन सइतान तुहै परखै। 6मुला हम जउन कहत हउं कि ऊ अनुमति हइ न कि आग्या। 7हम ई चाहति हउं कि जइस हम हउं वइसइ सबै मनई होय, मुला हर एकु क परमेसुर कि ओर ते विसेस बरदानु मिलेइ हइं। कोइक कैसेउ परकार क, अउर कोउक कोऊ दूसरि परकार के।

8मुला हम अविवाहितन अउर विधवावन क बारे म कहति हंउ कि उइ खातिर ऐसइ रहउ नीक हइ, जइस हम हउ। 9मुला अगर उहि संयम नाहीं कर सकइ तउ वियाहु करैं काहे ते वियाहु करना कामातुर रहैं ते भला होई।

10जिनके वियाह हुइ गवा है उनहू क हम नाहीं बरन परभु आग्या देत हइ कि मेहरारु आपन पति ते अलग ना हुइहै। 11अउर अगर अलगै होइ जाय, तउ बिन दूसरि वियाहु कियै रहै, या अपन पति ते फिर मेलि करि लेई। अउर न पति अपन पतनिक छाड़ें।

12दुसरेन ते परभु नाईं मुला हम कहति हउं, अगर कउनउ माइक मेहरारु विसवासु न करति होय, अउर उहिके साथ रहबै परसन्न होय तउ ऊ वहिका न छाड़ै। 13जउन इस तरक पति विसवासु न करति होय अउर उहिक साथै रहबै ते परसन्न होई, ऊ पति क न छाड़ै। 14काहे ते अइस पति जउन विसवासु न रखति होइ, वहु पतनिक कारन पवित्तर ठहरत हइ अउर अइसइ परानी जउन विसवासु नाई राखति, पति के कारन पवित्तर ठहरति हइ, नाहीं तो तुम्हार लरिका वाले कलंकनी होतै, मुला अब तौ पवित्तरू है।

15मुला जउन मनई विसवासु नाई रखति, अगर ऊ अलग होय तौ अलगु होन देउ। अइसी दसा मां कोनउ भाई या बहिन बन्धन मां नाई, मुला, परमेसुर तौ हमहुक मेलि मिलापु कै खातिर बुलाइन हइं। 16काहे ते हे स्त्री, तू का जानति हइ कि तुइ अपन पति क उद्धारु कराइ लेई? औरतियों अउर हे मनई तुइ का जानति इ कि तुइ अपन पतनी केर उद्धारु कराइ लेई।

17मुला जइस परभु हर एकु क बांटनि हइं अउर जइस परमेसुर हर एक क बुलाइन हइं। वैसइ ऊ चलै अउर सबइ कलीसियन म ऐइस ठहरति हउ। 18जउन खतना किया भवा बुलायउ गवा हइ, ऊ बिन खतना क न बनाई, जउन बिना खतना कि बुलायउ गवा हय, वहु खतना क न करावइ। 19न खतना कछु हइ, अउर न बिन खतना क, मुला परमेसुर की आग्यन क मानबै सबै कछु हइ। 20हर एकु जनु जउनउ दसा म बुलावा गवा होई वहिमा रहै। 21अगर तुइ दास की दसा मां बुलावा गवा होय तउ सोंचु न कर, मुला अगर तुइ सुतलर हुइ सकै तउ ऐसन कामु करउ। 22काहे ते जउन दास की दसा म परभु म बुलावा गवा हइ, ऊ परभु क सुतंतर कीन हइ। अउर वैसेइ जउन सुतंतर कि दसा म बुलावा गवा हइ, ऊ मसीह क दासु हइ। 23तुइ दाम दै के मोलु लिए गए हौ, मनइन के दासु न बनौ। 24हे भइयौं, जउन कउनउ जैसि दसा म बुलावा गवा होइ, ऊ वही दसा म परमेसुर क साथै रहै।

25कुवांरिन क बारे मां परभु कि कउनउ आग्या मोहि नाई मिली मुला विसवासु होइ कि खातिर जइस दया परभु मोंहि पै किहिन हइं, वहिके माफिक राय देत हइ। 26हमरी समझ मं यहै नीक हइ कि आज कल कलेस के कारन मनई जइस हइ वइसइ रहै। 27अगर तोहार मेहरारु हइ, तौ वहिते अलग होय के जतन न करौ, अउर अगर तोहार मेहरारु नाई तौ मेहरारु क खोजु न करउ, मुला।

[28]अगर तुइ वियाहौ करौ, तौ पापु नाई अउर अगर कुंवारी वियाही जाइ तउ कउनउ पापु नाई मुला ऐसेन क सरीर क दुखु होई अउर हम बचावा चाहित हइ।
[29]हे भाइ लोगन हम ई कहित हउं कि समय कम कीन गा है यहि ते चाहिये, जउनक मेहरारु होय उइ ऐस होय मानउ उइके मेहरारु नाईं। [30]अउर रोवइ वाले ऐस होय, मानउ रोवत नाईं। अउर आनन्द करइ वाले अइस होय। मानउ आनन्द नाई करत हंइ। अउर मोल लेई वाले अइस होय कानउ उइके पासइ कछु हैय नाई। [31]अउर ई संसार क वरतइ वाले अइस होय कि सांसारिक न हुइ जायं, काहे ते ई संसारू की रीति अउर विवहार बदलत जात हइ।
[32]सो हम ई चाहित हउं कि तुम्हें सोचु न होय, चिन्ता न होय, बिन वियाहा मनई परभु की बातन कि चिन्ता म (सोच म) रहत हइ कि परभु क कइसे परसन्न राखई। [33]मुला विवाहिता मनई संसार कि बात कि चिन्ता म रहति हइ, कि अपन मेहरारु की रीति ते परसन्न रक्खई। [34]वियाह अउर अनवियाहउ म भेदु हइ। बिन वियाही परभु की चिन्ता म रहति हइ कि ऊ देह अउर आतमा दोउन म पवित्तर होई, मुला वियाही संसारु कि चिन्ता रहति हइ, कि अपन पतिक परसन्न राखैं। [35]ई बात तो हरइ लाभु की खातिर कहति हउं, न कि तुहिका फसावै क खातिर, बल्कि एहि खातिर कि जइस सोहति हइ, वैसइ कियउ जाय, कि तुम एकु चित्त होइके परभु की सेवा में लगेन रहौ।
[36]अउर अगर कउनउ यहु समझै कि हम ऊ कुआंरिक हकु मारि रहेन हइ, जेहिकी जवानी ढलइ हइ, अउर परयोजनौ होय तो जइस चाहै वैस करै। ई मा पाप नाई ऊ वहिका वियाहु होइ हय। मुला [37]जउन मन म दिरढ़ रहति है अउर वहिका परयोजन न होय बल्कि अपन इच्छा क पूरी करै म अधिकारु रक्खति होय अउर अपन मन म यह बात ठान लीन हइ कि हम अपन लड़की के बिन वियाही रखिहउं, ऊ अच्छा करति हय। [38]सो जउन अपन कुआंरि क वियाहु करि देत हइ, ऊ अच्छा करति हइ, अउर जउन वियाहु नाहीं करि देत ऊ अउरउ अच्छा करति हई।
[39]जबै तलक कउनउ स्त्रिक पति जीवित रहत हइ तब तलक ऊ उहि ते बांधी भई हइ, मुला जबै उहिका पति मरि जाइ तौ जेहिते चाहै वियाहु करि सकति हइ मुला केवल परभु मा। [40]मुला जइस हइ अगर वइसइ रहै तौ हमार विचार म अउरउ धन्य हइ। अउर हम समझति हइ कि परमेसुर कि आतमा मोहु म हय।

मूरतिन केर चढ़ावा गवा परसाद

8अब मूरतिन क समुहे बलि की हम वस्तुनि के बारे म हम जानित हइ, कि हम सबन क ग्यानु हइ। ग्यानु घमंडु उपजावति हइ, मुला परेम ते उन्नति हइ। [2]अगर कउनउ समुझई कि हम कछु जानति हउ, तउ जइस जानइ केर चाही वैसे अब तलक नाइ जानति। [3]अगर कउनउ परमेसुर ते परेम राखति हइ, तौ उहिका परमेसुर पहिचानति हइ।
[4]मूरतिन क आगै वाले की हम वस्तुनिक खाइ के बारे म हम जानित हइ कि मूरति जगत म कउनउ सामान नाई अउर एकु क छोड़ि अउर कउनउ परमेसुर नाई। [5]अगर आकास म अउर धरती पै बहुतै ईसवर कहात हइ। (जैस कि बहुतै ईसवर अउर बहुतै परभु हइ) [6]उहि पर भी हमार निकट तौ एकै परमेसुर हइ यानी बापु, जेहि की ओर ते बसतु हइ हम वहिके खातिर हन, अउर एकै परभु हइ, यानी यीसु मसीह जेहिते सबै वस्तुवैं हम अउर हमहूं उहिते हन।
[7]सबन क यहु गियानु नाई हइ मुला कितनेइ तउ अबहिन तलक मूरत क कछु समझइ क खातिर मूरतिन के आगे बल्कि हम केर कछु सामान समझि कइ खाति हइ। [8]भोजनु हमका परमेसुर क निकट नाई पहुंचावत। अगर हम न खाई तौ हमार कउनउ हानि नाई अउर अगर खाई तौ कछु नफा नाई।
[9]चौकस रहउ, ऐस न होय कि तोहार ई सुतंतरता कहुं निरबलन के खातिर ठोकरु क कारनु होइ जाइ। [10]अगर कउनउ तोहि बुद्धिमान मूरति के मंदिर म भोजनु कर देखइ अउर ऊ निरबल जन होय तौ का उहिके विवेक म मूरति के समुहे बलि की हम सामान क खाइ के हिसाबु न हुइ जाई। [11]ई रीति ते तोहरे गियान के कारनन ऊ निबल भाई या नास होइ जाई। जेहिके खातिर मसीह मरि गवा। [12]भाइन क अपराधु करै ते अउर उइके निरबल मनु क चोट देइ ते तुइ मसीह क अपराधु करत हउ। [13]ई कारनु अगर भोजनु हमार भाई क ठोकरु खवावै तौ हम कबहूं कउनउ रीति ते मासु न खइहौं। ऐस न होइ कि हम अपन भाई क ठोकरु क कारन बनउ।

पौलुस अपन अधिकारन सइहन कउनओ लाभ नाहि उठाईन

9का हम सुतंतर नाई? का हम परेरित नाई? का हम यीसु क जउनु हमार परभु हइ नाई देखेन? का तुम परभु हमार बनाए नाई? [2]अगर हम अउरन

के खातिर परेरित नाई, तउ तुम्हार खातिर तौ हउं, काहे ते तुइ परभु म हमारि परेरिताइ प छापु हउ।
[3]जउन मोहिका परखति हइ उइके खातिर यहै हमार जवाबु हइ। [4]का हमहुक खाइ पियइक अधिकारु नाई? [5]का हमार यहु अधिकारु नाई कि कउनउ मसीही बहिन क वियाहि करैक खातिर फिरी, जैस अउरौ परेरित अउर परभु की भाई अउर कैफा करति हइ। [6]या केवल मोहिका अउर वरनवास क अधिकारु नाई कि कमाई करब छाँड़ै।
[7]कउनउ कबहूं अपनेइ पाकिट, खाइ कै सिपाहिन कामु करति हइ? कवनु दाखु की बारी लगाइ के उहिका फलु नाई खाति? कउन भेड़न की रखवाली कइके उइक दूधू नाई पियत? [8]का हम ई बातन क मनइन की रीति पै बोलति हउं? [9]का बेवस्था याही नाई कहति? काहे ते मूसा की बेवस्था म लिखइ हइ कि दंबरी म चलति भए बैल क मुंह न बाँधेउ। का परमेसुर वैलन क चिनता करति हय? या विसेस कइ के हमरे खातिर कहति हइ? [10]हां हमरेइ खातिर लिखइ गवा, काहे ते उचित हइ कि जोतइ वाल आसा ते जोतै अउर दावन करै वाले भागी होय कि आसा ते दंवरी करै। [11]सो जबइ हम तोहर खातिर आतमा कि सामानन क बोइब तउ का ई कउनउ बड़ी बात हइ, कि तोहार दयांह की बस्तुनि क फसल काटी। [12]अउरन क तोहि पै अधिकारु हइ, तउ क हमार यहिते अधिकु न होइ? मुला हम यहु अधिकारु काम मा नाई लायेन। हम सबै कछु सहति हइ कि हमते मसीह क सुसमाचार क कछु रोकु न होय। [13]का तुम नाहीं जानत कि जउन पवित्तर बस्तुन की सेवा करत हइं उइ मंदिर मा ते खात हइं अउर जवनु बेदी सेवा करति हइ, उइ बेदी साथ के भागी होत हइ? [14]यहि रीति ते परभुवों ठहराइन कि जउन लोग सुसमाचारु सुनवति हइं। उनहुन की रोजी रोटी सुसमाचार ते हइ।
[15]मुला हम इनहुन मा ते कउनउ बात काम म न लाइसि अउर हम तउ ई बातन क एहिते नाई लिखेन कि हमरे खातिर ऐस किया जाय, काहे ते तउ हमार मरि जावे भलउ हइ, कि कउनउ हमार घमन्डु बेकार ठहरावइ। [16]अउर अगर हम सुसमाचारु सुनाई, तउ हमार कछु घमन्डु नाई, काहे ते ई तउ हमार खातिर अवस्य हइ अउर अगर हम सुसमाचारु न सुनाई तउ मोहि पै हाय। [17]अगर अपन इच्छा तेइ करति हइ तउ मजदूरी मोहिका मिलति हइ अउर अगर अपनी इच्छा ते नाई करित, तउ भंडारी केर कामु मोहिका सौंपइ गवा हइ। [18]यहिते हमारि कउन मजदूरी हइ? ई कि सुसमाचारु सुनावइ म हम मसीह क सुसमाचारु सेत मेत करि देउ। (बेकार कइ देउं) हियन तलक कि सुसमाचारु म जउनु हमारु अधिकारु हइ, उहिका हम पूरी रीति ते काम म लाई।
[19]काहे ते सबहिन ते सुतंतर होइ पैहूं हम अपन आपु क सबहिन क दासु बनाई दीन हइ, जेहिते अधिक लोगनु क घसीट लाई। [20]हम यहूदिन केर खातिर यहूदी बना जेहिते यहू दिन क खींचि लाई, जउन जने बेवस्था क अधीन होई, उइके खातिर हम बेवस्था क अधीनन होइ पैहूं। बेवस्था के अधीन बनेन जेहिते उइ जौनु बेवस्था कि अधीन हइं खींचि लाई। [21]बेवस्था हीनन के खातिर भई (जउन परमेसुर कि बेवस्था ते हीन नाहीं, मुला मसीह कि बेवस्था कै अधीन हउं) बेवस्था हीन जइस बनेन जेहिते निरबलन क खींचि लाई। [22]हम सबै मनइन के खातिर सब कुछ बने हउं, जेहिते कउनउ न कउनउ रीति ते कइयौ का उद्धारु करउं। [23]अउर हम सबै कछु सुसमाचारु कै खातिर करति हउं कि अउरनि के साथ ऊ का भागीदार होइ जावै?
[24]का तुम नाई जानति कि दौड़ म सबही दौड़त हइं, मुला इनामु एकै क मिलत हइ। (एकै लै जाति हइ)? तुइ वैसेइ दौड़िय कि जी जाव।
[25]अउर हर एकु पहलानु सबइ परकार क संयम करत हइं, उइ तौ एकु मुरझाइ वालेइ मुकुट पावइक खातिर ई सबु करति हइ, मुला हम तौ, उइ मुकुट के खातिर कहति हइ जउनु मुरझाइक नाई। [26]एहिते हम तौ एई रीति ते दौड़ति हउं। मुला उइ ठिकाने नाई, हमहूं ई रीति ते मुक्कन ते लड़ति हइ मुला उइ की नाई नाई जउन हवा पीटत भये लड़ति हइ। [27]मुला हम अपन देह क मारत कूटत अउर बस मा लाइत हइ। अइस न होय कि औरन क परचारु करिके हम आपहिं कउनउ रीति ते निकम्मा ठहरी।

इसराएल केर इतिहास सइहन चेतावनी

10 हे भाइयों, हम नाहीं चाहित कि तुइ ई बात ते अनजान रहौ कि हमार सबै बाप दाउद बादर के नीचेइ रहै अउर सब के सबय समुंदर के बीचु ते पार हुइ गये। [2]सबहिन बादर मां अउर समुंदर म मूसा क बपतिसमा लिहिन। [3]सबहिन एकउ आतमा क भोजनु किहिन। [4]सबहिन एकुर आतमा क पानी पिहिन, काहे ते उइ ऊ आतमा चट्टान ते पियत रहैं, जउन उइके साथ चलति रहै अउर ऊ चट्टान मसीह रहै। [5]मुला परमेसुर उइ मा बहुतरिन ते परसन्न नाई भए यहिते उइ जंगलु म मरि मिटे।

6ई बातइ हमार खातिर मसल तउ ठहरी, कि
जइस उनहुन लालचु कीन, वैसइ हम बुरी बस्तुन क
लालचु न करी। 7अउर न तुइ मूरति पूजइ वालेन
बनउ, जइस कि उइ मते कइयउ, बनि गए रहैं, जइस
लिखउ हइ कि लोग खाइ–पियइक बैठे अउर खेल
कूद के उठे। 8न हम वेभिचारु करी, जइस उनहिन म
ते कइयउ किहिन, अउर एकै दिन म तेइस हजार
लोग मरि मिटे। 9न हम परभु का परिखी, जइस उइमा ते
कइयउ किहिन, अउर सापन ते नास किये गये। 10न तुइ
कुड़कुड़ाय, जेहि रीति ते उइ मा ते कितनेउ कुड़कुड़ाय
अउर नास करन वाले ते नासौ किए गये।

11ई सबै बातें जउन उइ पै पड़ी, दिरिस्टान्तन रीति
पै रहै अउर उइ हमार चिताउनिक खातिर जउनु जगत
के अन्तिम समय म रहति हयं लिखी गइ रहैं।
12यहिते जउन समझति हइ कि हम स्थिर हउं, ऊ
चौकस रहइ, जेहिते कहूं गिरि न परै। 13तुइ कउनउ
ऐस परिच्छा मा नाई परे जउन मनइक बरदास्त कै
बाहर हइं। परमेसुर सच्चा विसवासु जोग हैं वहु तोहरे
सामरथ ते बाहर परीच्छा म न परे देइ, बल्कि
परिच्छउ क साथै निकासो करिहइं, कि तुइ सहि सकै।

मूरति पूजा का त्यागबु

14ई कारन हे हमार पियारो मूर्ति पूजा ते बचइ रहेउ।
15हम बुधिमान जानि कइ तोहिते कहित हन, जउन हम
कहति हौ उइ का तू परखौ। 16ऊ धनयवादु क कटोरा,
जेहि पै हम धन्यबादु करति हइ, का मसीह क द्यांह
साझेदारि नाई? ऊ रोटी वहिका हम तोड़ित हइ, का ऊ
मसीह की देह की सहभागिता म नाई। 17यहिते कि
एकइ रोटी हइ, ऊ हमहुक जउन बहुतै हइ, एकु देह हइ,
काहे ते हम सबकी ऊ एकइ रोटी मं भागी होत हइ।

18जउन सरीर क भाव ते इसराएली हय, उइको
देखो। का बलिदानन केर खाय वालेन बेदी के
सहभागी नाहीं हन? 19फिर हम का कहत हन? का
यहु कि मूरति का बलिदानन कछु हइ, या मूरति कछु
हइ? 20नाई, बल्कि ई कि दूसरे धरम मानेइ वाले
जउन बलिदान करति हइं, हम नाई चाहित कि तुइ
दुस्ट आतमन क सहभागी होउ। 21तुइ परभु क कटोरे
अउर भूतातमन के कटोरे दूनउ मते नाई पी सकत।
तुइ परभु की मेज अउर दुस्ट आतमन की मेज दूनउ
के भागी नाई हुइ सकत। 22का हम परभु क गुस्सा
दिलाइत हइ? का हम उइते सकतिमान हइं।

विसवासिन केर आजादी

23सबै बस्तुन हमार खातिर उचितइ तौ हइ, मुला
सबै लाभ की नाई सबइ बसतुवैं हमार खातिर उचित
तउ हइं मुला सबै बसतुवन ते उन्नति नाई। 24कोऊ
अपनि भलाई क न ढूढ़ै बल्कि औरनि की।

25जउन कछु कसाइन केर हियाँ बिकति हइ, वहु
खाउ। अउर विवेकु के कारन कछु न पूछउ। 26काहे
ते धरती अउर उइकी भरपूरी परभु की हइ।

27अगर अविसवासिन म ते कोऊ तूहैं नेउता देय
अउर तुइ जाव चाहउ तउ जउन कछु तोहार समुहे
रक्खा जाए, वहइ खाउ अउर विवेक के कारन कछु
न पूछौ। 28मुला अगर कउनउ तुमते कहइ कि ई तौ
मूरति क बलि की भई बसतू हइ तउ वहि बतावै
वालेन क कारन अउर विवेक के कारन न खाउ।
29हमार मतलबु तोर विवेकु नाई, मुला उइ दुसरे क
विवेकु हइ। भला हमारि सुतंतरता दुसरेक विचार ते
काहे परखी जाइ। 30अगर हम धन्यबादु करि कइ
नाम धराई होइत, तौ जेहि पै हम धन्यबाद करत हउं,
ऊ के कारन हमार बदनामी काहे होति हय?

31सो तुइ चाहेइ खाउ चाहेइ पियउ, चाहइ जउन
कछु करउ सबइ कछु परमेसुर की महिमा की खातिर
करउ। 32तुइ न यहूदिन क, न यूनानिन क, अउर न
परमेसुर कि कलीसिया की खतिर ठोकरु क कारन
बनउ। 33जइस हमहूं सबइ बातन म, सबहिन केर
परसन्न रक्खित हइं अउर अपन नाई मुला बहुतन को
लाभु ढूंढ़ति हइ कि उइ उद्धारु पावइ।

11 तुइ हमार जइस चालु चलउ, जइस हम
मसीह कि जइसी चालु चलति हइ।

अराधना ही हमारी मरयादा हय

2हे भाइयों, हम तुहै सराहति हइ, कि सबइ बातन
मं मोहिका सुमिरन करत हउ अउर जउन चलन हम
तुहैं सौंपि दिहेन कउनउ पालन करत हउ।

3सो हम चाहित हइं कि तुइ यहु जानि लेई कि हर
एकु मनई क सिर मसीह हइ अउर इस तरिक सिर
मनई हइ अउर मसीह क सिर परमेसुर हइ। 4जउन
पुरुस सिर ढांके भये पराथना या भविसवानी करति
हइ, ऊ अपने सिर क अपमानु करति हइ। 5मुला
जउन मेहरारु उधारे सिर पराथना या भविसवानी
करति हइ ऊ अपन सिर क अपमानु करति हइ, काहे
ते ऊ मुंडी के बराबर हइ। 6अगर औरत ओढ़नी न
ओढ़े बालउ कटाइ लेइ, अउर औरत का बाल
कटाउब अउर मुड़ाउब लज्जा कि बात हइ तो ओढ़नी
ओढ़ै। 7हां मनई क अपन सिर ढाकब उचित नाई
काहे ते ऊ परमेसुर क सरुप अउर महिमा हइ, मुला

अउरत मनइ क महिमा। 8काहे ते मनई अउरत ते
नाही भवा, मुला अउतर मनई ते भई हय। 9अउर
मनइ अउरत के खातिर नाई सिरजा गवा है मुला
औरत मनई की खातिर सिरजी गई है। 10यहि ते
सुरगदूतन के कारन औरत क उचित हइ कि मान
मरजादा अपन सिर पै राखई।

11तउनौ परभु न तौ मेहरारु बिना मनई, अउर न
मनई बिना मेहरारु क हइ। 12काहे ते जइसइ मनई ते
हइ वइसइ मनई अउरत ते हइ, मुला सबइ वस्तुइ
परमेसुर ते। 13तुइ आपहिं विचारु करइ, का अउरत
क उघाड़े सिर परमेसुर ते पराथना करब सोहत हइ।
14का स्वाभाविक रीतिउ ते तुइ नाई जानत कि अगर
मनई लम्बे बाल राखइ तउ उहिके खातिर अपमानु
होई। 15मुला अगर औरत लम्बे बाल राखइ, तउ
वहिके खातिर दिए गए हइं। 16मुला अगर कउनउ
विवादु करा चाहइ तउ यहु जानइ कि न हमारि अउर
न परमेसुर की कलीसियउ की ऐइस रीति हइ।

परभु का आखरी भोज

17मुला ई आग्या देत भये हम तोहिका नाहीं
सराहति। यहिते कि तोहर इकट्ठे होइ ते भलाई नाई
मुला हानि होति हइ। 18काहे ते पहिले तउ हम ई
सुनति हइ कि जबै तुइ कलीसिया म इकट्ठे होति हउ,
तउ तुइमा फूट होति हइ, अउर हम कछु–कछु
परितीतउ करति हउं। 19काहे ते विवाद तुइ मा जरुर
होइ हइं, यहि ते कि जउन लोग तुइमा खरे निकलि
हइं, उइ परगट हुइ जांय। 20सो तुइ जउन एकै जगह
म इकट्ठे होत हउ तउ ई परभु भोजु खाइक खातिर
नाई। 21काहे ते खाइके समय एकु दुसरे ते पहिले
अपन भोजन खाइ लेति हइ, सो कोऊ तउ भूखा
रहति हइ, अउर कउनउ मत वाला हुइ जाति हइ।
22का खाइ–पियइक तोहार घर नाई? या परमेसुर की
कलीसिया क तुच्छ जानति हउ, अउर जउनउ कि
पास नाई हइ, उइका लज्जित करत हउ? हम तुमते
का कही? का ई बात म तोहार परसंसा करउ? हम
परसंसा नाई करत।

23काहे ते ई बात मोहि पै परमेसुर ते पहुंची हइ
अउर हम तुमहुक पहुंचाइ दीन कि परभु यीसु मसीह
जउन रात ऊ पकड़वावा गवा रोटी लिहिस। 24अउर
धन्यबादु करिकइ उइका तोरिस अउरु कहिसि ई मोर
देह हइ, जउन तोहरे खातिर हइ, हमार सुमिरन के
खातिर यहइ किया करौ। 25यहि रीति ते उइ भोजन
पीछे कटोरौ लिहिस अउर कहिसि ई कटोरा हमार
लोगन ते नई वाचा हइ, जबै कबहूं पियेउ, तउ हमार
समरन के खातिर इहइ किय करउ। 26काहे ते जब
कबहूं तुइ ई रोटी खात अउर ई कटोरे म ते पियति
हउ, तउ परभु क जब तलक ऊ न आवइ, परचारु
करत रहउ।

27ई ते जउन कउनउ अनुचित रीति ते परभु रोटी
खाइ या उहिके कटोरे मते पियइ ऊ परभु क देह
अउर लोहू क अपराधी ठहरी। 28यहि ते मनई अपन
आपु क जांचि लेइ अउर यहि रीति ते ई रोटी मा ते
खाई अउर ई कटोरे मा ते पियइ। 29काहे ते जउनु
खाति–पियति समय परभु क देह क न पिहचानै ऊ
ई खाई अउर पियइ ते अपने पै दन्डु लावति हइ।
30यही कारनन तुइ मां बहुतेरे निरबल अउर रोगी हइं
अउर बहुतै सुति गये हयं। 31अगर हम अपन आप
क जांचति तउ दन्ड न पाइत। 32मुला परभु हमें दन्डु
दैके हमारि ताड़ना करति हइं यहिते कि हम संसारु के
साथ दोसी न ठहरइ।

33यहिते हे हमरे भइयौं जबइ तुइ खाइके खातिर
इकट्ठे होति हउ तौ एकु दुसरे के लिए रुका करौ।
34अगर कउनउ भूखा होय तौ अपन घर मां खाइ लेइ
जेहिते तोहार यकट्ठा होउब दन्डु क कारनु न होय,
अउर बाकी बातन क हम आइके ठीक करि देहौं।

आतमीक वरदानन

12 हे भाइयौं हम नाई चाहित कि तुइ आतमा के
बरदानन के बारे मां अपरिचित रहौ। 2तुइ
जानति हइ कि जबै तुइ दूसर धरम क मानइ वाल
रहौ, तबै गूंगी मूरतिन क पाछे जैसेइ, चलाये जात
रहौ वैसेइ चलति रहो। 3यहिते हम तुहैं चिताय देइत
हन कि जउन कउनउ परमेसुर कि आतमा कि अगुवाई
ते बोलति हइ, ऊ नाई करि हइ, कि यीसु सरापति
हइ, अउर न कउनउ पवित्तर आतमा के बिना कहि
सकति हइ, कि यीसु परभु हइं।

4बरदानु तउ कइयउ परकार के हइं, मुला आतमा
एकै हइ। 5अउर सेवउ कइयउ परकार की हइ, मुला
परभु एकइ हइ। 6अउर असरिदार काम कइयउ परकार
क हइ, मुला परमेसुर एकइ हइ, जउन सबै मा हर
परकार क परभाव पैदा करत हइ।

7मुला सबन क लाभु पहुंचावइ कि खातिर हर
एकु क आतमा क परकास दियइ जाति हइ। 8काहे
ते एकु क आतमा ते ज्ञान की बातन क दीन जाति
हइ, अउर दुसरे क उइ आतमा कि मुताबिक गियान
की बातन क। 9अउर कउनउ क उहै आतमा ते
विसवासु अउर कउनउ क उहै एकु आतमा ते चंगा
करइ क बरदानु दीन जाति हइ। 10फिर कउनउ क

सामरथ कै कारज करे क सक्ती, अउर कउनउ क भविस कि बानी केर, अउर कउनउ क आतमन की परख केर, अउर कउनउ क अनेक परकार कि भासन क, अउर कउनउ क भासन क अरथ बतावै क। 11मुला ई सबै परभावसाली कारज उहै आतमा करवावत हइ, अउर जेहिका जउन चाहति हइ, वहु वहि देति हइ।

एकु देह अनेकन भाग

12काहे ते जेहि परकार ते देह तौ एकै हइ अउर उहिके अंग बहुतै हइ, अउर उइ एकु देह के सबै अंग, बहुतइ होइउ पै सबै मिलि कइ एकहि देह हइ। उइ परकार मसीहो हइ। 13काहे ते हम सबै का यहूदी, का यूनानी का दास, का सुतंतर एकहि आतमा ते एक देह होइके खातिर बपतिसमा लिहेन अउर हम सबन क एकइ आतमा पिलाइ गइ।

14यहिते कि देह म एकै अंग नाई, मुला बहुतेरे हइं। 15अगर पाँव कहइ कि हम हाथु नाहीं एहिते देह क नाई है? अउर अगर कानु कहइ। 16कि हमं आंखि नाई, यहिते देह क नाई हय? 17अगर सारी देह आंखि की होति तउ सुनब कहां ते होत? अगर सारी देह का नहि है तउ सूँघब कहां ते होत। 18मुला सचमुच परमेसुर अंगन क अपनि इच्छा कि मुताबिक एकु–एकु करिकइ देह म रखा हइ। 19अगर उइ सबै एक हि अंग होत, तउ देह कहां ते होत। 20मुला सबै अंग तउ बहुतै हइं मुला देह एकै हइ।

21आंखि हाथु ते नाई कहि सकत कि मोहिका तोहार जरूरत नाई अउर न सिर पाँवन ते कहि सकति कि मोहिका तोहार परयोजन नाई। 22मुला देह के उइ अंग जउन औरत ते निरबल देखि परत हइ, बहुतै जरुरी हइं। 23अउर देह के जउन अंगन क हम आदरु के योग नाई समझति हइ, उनहिन क हम आदरु देहत हइ, अउर हमरेइ सोभाहीन अंग अउरउ बहुतय सोभायमान होई जाति हइ। 24फिरौ हमार सोभायमान अंगन क इहका परयोजन नाई, मुला परमेसुर देह क अइस बनाइ दीन हइ कि जउन अंग क घटी रहै वहिक औरउ बहुत आदरु होय। 25यहिते देह म फूट न परै, मुला अंग एकु दुसरे की बराबर चिनता करइ। 26यहिते अगर एकु अंगु दुख पावति हय अउर अगर एकु अंगु की बड़ाई होत हइ तउ उइके साथइ सबै अंगु आनन्दु मनावति हइं।

27यहि परकार तुइ सबै मिलिकइ मसीह की देह हउ। अउर अलगै अलग ऊ के अंगु हउ। 28अउर परमेसुर के कलीसिया म अलगै अलग मनई नियुक्त किए हइ, पहिल परेरित दूसरि भवसिवकता, तीसरु सिच्छक, फिर सामरथ कइ कारज करै वाले, फिर चंगा करइ वाले अउर उपकार करै वाले अउर पराथना अउर नाना परकार की भासा बोलइ वाले। 29का सबै परेरित हइ? का सब भविस क कइह वाले हंइ। का सबै उपदेसक हइं? का सबै सामरथ के कारज रकइ वले हइं। 30का सबन क चंगा करइ क बरदानु मिला हइ? का सबै नाना परकार कि भासा बोलति हइं। 31का सबै अनुवाद करति हइ? तुइ बड़े ते बड़ा बरदानु कि धुन म रहउ। मुला हम तुहै अउर उ सबते उत्तम मारग बताइत हइ।

परेम

13मगर हम मनइन क अउर सरग दूतन कि बोलिन क बोली अउर परेम न राखूं तउ हम हुनहुनात पीतलु अउर झनझनात भई झांझ हउं। 2अउर अगर हम भविसवानी कर सकऊ अउर सबै भेदन अउर सबै परकार के गियान क समुझउ अउर मोहि इहां तलक विसवासु हइ कि मइ पहारुन क हटाइ देई, मुला परेम न रक्खउ तौ हम कछुइ नाई। 3अउर अगर हम अपन पूरी सम्पत्ति क कंगालन क खिलाय देई या अपने देह जरावै कि खातिर दे देई अउर परेम न रक्खी तउ मोहिमा कउनउ नाई।

4परेम धीरजुवन्त हइ। अउर किरपालु हइ, परेम इरखा नाहीं करत, परेम अपन बड़ाइउ नाहीं करति, अउर फूलति नाहीं। 5ऊ उन रीति ते नाई चलति, ऊ अपन भलाई नाई चाहति, झुझलात नाई, बुरौ नाई मानति। 6कुकरम ते खुसी नाई होत। मुला सत्य ते खुसी होति हइ। 7सबै बातन क सही लेति हइ। सबै बातन क पिरेमु करति हइ, सबै बातन कि आसा राखति हइ, सबै बातन मां धीरजु धरति हइ।

8परेम कबहू टरति, नाई, भविसवानिन होई तौ समापति हुइ जाई, भासाएं होई तउ जाती रहिहइं। गियान होई तउ मिटि जाई। 9कहांते हमार गियानु अधूरइ हइ अउर हमार भविसवानी अधूरी। 10मुला जबै सब मां सिद्ध आई तउ अधरउ मिटि जाई जबै हम बालकु रहा। 11तउ हम बचवन की नाई बोलत रहा। बालकन जइस मन रहै, बालकन जइसि समझ रही, मुला जबै सयान भएन तउ लरकइयां कि बातें छांड़ि दीन। 12अब हमका सीसा धुंधला सा दिखाई देत हइ, मुला उइ समय आसमानेइ सामने देखिहौ, ई समय हमार गियन अधूरे हइ, मुला उइ समय एसिहय पूरी किहिन पहचानिब, जइस हम पहिचाने गयन हइं।

13मुला अब विसवासु, आसा परेम ई तीनों अस्थाई
हइं। मुला इनहुन मां सबन ते बड़इ पिरेम हइ।

भविस केर बातै बतावै अउर बहुती बोली ब्वालै केर बरदानु

14 पिरम क नकल करउ, अउर आतम क
बरदानौ का धुन म रहउ, विसेस कइ यहु
कि भविसबानी करउ। 2काहे ते जउन दूसरि भासा म
बातइ करति हइ, ऊ मनइन ते नाई, मुला परमेसुर ते
बातन क, आतमा म होइकै बोलाते हइं। 3मुला जउन
भविसवानी करति हइ, ऊ मनइन ते उननति अउर
उपदेसु अउर सान्ती कि बातन क कहति हइ। 4जउन
दूसरि भासा म बात करति हइ, ऊ अपनिहि उन्नति
करति हइ, मुला जउन भविस की बानी करति हइ ऊ
कलीसिया की उन्नति करति हइ। 5हम चाहति हउं
कि तुइ सबहिन दूसरि भासन मा बतलावा करौ, मुला
अधिकतरु इहइ चाहिति हउं कि भविसबानी करउ,
काहे ते अगर दुसररिउ भासन क बोलइ वाले कलीसिया
की उन्नति की खातिर अनुवादु न करै तौ भविस
बानी करइ वाले ऊ ते बढ़ि कइ हइ।

6यहिते हे भाइयौं अगर हम तोहरे पास आइकइ
दूसरी भासन म बतुआई करी, अउर परकास, या
गियानु या भविस की बानी या उपदेसु कि बातइ
तुइते न कहउं, तउ मोहिते तुमहुक का लाभु होई। 7ई
परकार ते अगर निरजीव चीजैं जउन ते सुर निकरत
हइ जैसइ बांसुरी या बीनु, अगर उनके स्वरनन भेदु
न होय तौ जउनु फूंका या बजावा जात इ ऊ कहिते
पहिचानु जाई? 8अउर अगर तुरही क सबद साफ न
होई तउ कउनु लड़ाई के खातिन तइयारी करहिइ।
9ऐसइ तुमहूं अगर जीभ ते साफै साफ बातन का
कहिहउ तउ जउन कछु कहा जाति हइ ऊ कहिते
समझा जाई? तउ हवा ते बातैं करइ वाले ठहरिहौ?
10दुनिया म कितनेइ परकार की भासायें काहे न होय,
मुला उनहुन म कउनउ बिना अरथ कि नाई होइहइं
चहिते। 11अगर हम कउनउ भासा क मतलब न
समझउ तउ बोलन वालेइ की नजर म परदेसी ठहरि
हउं अउर बोलइ वाल हमार नजर म परदेसी ठहरी।
12यहिते तुमहूं जब आतक बरदानन कि धुन म हउ,
तउ ऐसइ पर यतन करउ कि तोहरे बरदानन की
उन्नति ते कलीसिया कि उन्नति होय।

13ई कारन जउन दूसरि भासा बोलइ तउ ऊ
पराथना करइ कि उनका अनुवादौ करि सकै। 14ई ते
अगर हम दूसरि भासा म पराथना करउं, तौ हमार
आतमा पराथना करति हइ, मुला हमार बुद्धि कारज
नाई करति। 15सो का करैक चाहिय? हम आतमौं तो
परारथन करि हउ अउर बुद्धिउ ते पराथना करहिउं,
हम आतमा ते गइहउ अउर बुद्धिउ ते गाइब। 16नाई
तउ अगर तुइ आतमइ ते धन्यबाद करिहौ, तउ फिर
अगियानी तोर धन्यबाद पै आमीन कइसे कहिहै?
यहिते कि ऊ तउ नाहीं जानत कि तुइ का कहति हइ।
17तुइ तौ भली–भांति ते धन्यबादु करति हउं, मुला
दुसरे कि उन्नति नाहीं होति।

18हम आपन परमेसुर क धन्यबाद करति हउ कि
हम तुइ सबहिन ते अधिकइ दूसरिन भासन म बोलति
हइ। 19लकिन कलीसिया म दूसरि भासा म दस
हजार बातन कहे तेइ मोहि अउर उ ठीक जानि परत
हइ, कि अउरन के सखावै क खातिर बुद्धी ते पांचइ
बातन क कहौ।

20हे भाइयों, तुइ समझ म लरिका न बनउ। बुराई
म तउ बालक रहौ मुला समझ म सियाने बनउ।
21बेवस्था म लिखउ हइ कि परभु कहति हइं, हम
दूसरि भासा बोलइ वालइ कि खातिर अउर पराये
मुख ते इन लोगन ते बातइ करिहउं तउनउ उइ हमार
न सुनिहइं।

22यहिते दुसरी–दुसरी भासाा विसवासिन के खातिर
नाई मुला अविसवासिन के खातिर नाई मुला विसवासिन
के खातिर निसानी हइ। 23यहिते अगर कलीसिया
याक जगह यकट्ठी होय अउर सबइ कइ सबै
दूसरि–दूसरि भासन बोलइ अउर अनपढ़े या
अविसवासी लोग भीतर आइ जांय तउका उइ तुहि
पागल न कहिहैं? मुला अगर सब भविसवानी करइ
लगइ। 24अउर कउनउ अविसवासी या अनपढ़ा मनइ
भीतर आइ जाइ तौ सबै उहिका दोसी ठहराइ दैहैं।
अउर परिख लइहैं। 25अउर ऊ के मन क भेदु परगट
हुइ जइहैं, अउर तवै ऊ मुहैक बल गिरि कै परमेसर
क दन्डवत करिहैं अउर मानि लइहैं, कि सचमुच
परमेसुर तुम्हरेइ बीच म हइ।

उपासना म अनुसासन केर जरुरत रहे के चाही

26यहिते हे भाइयौ, का करइक चाही? जबइ तुइ
यकट्ठा होत हउ, तउ हर एक के हिरदय म भजनु या
उपदेसु या दूसरि भासा, या परकारु या दूसरि भासा
क अरथु बतावइक रहति हइ। सबै कछु आतमा की
उन्नति के खातिर होइक चाही। 27अगर दूसरि भासा
म बतुवावै करइक होइ, तउ दुइ–दुइ या बहुत होय
तउ तीन–तीन जन बारी–बारी ते बोलइं अउर एकु
जनै अनुवादु करइ। मुला अगर अनुवादु करइ वालन
न होय। 28तउ दूसरि भासा बोलइ वाला कलीसिया

मा सान्त रहइ अउर अपन न ते अउर परमेसुर ते बातइ करै। 29भविसबकतन माते दुइ या तीन बोलै, अउर सेस लोग उइके बचनन क परखई। 30मुला अगर दुसरे प जउन बैइठइ हइ कछु ईसवरीय परकास होइ तौ पहिला चुप हुइ जाय। 31काहे ते तुइ सबै एकु–एकु करिकै भविसवानी करि सकत हउ जेहिते सब सीखैं अउर सब सानती पावै। 32अउर भविसयवकतन कि आतमा भविसवकतन के बस मां हइ। 33काहे ते परमेसुर गड़बड़ी क नाहीं, मुला सान्ती के करता हइं, जइस पवित्तर लोग सब कलीसियन म हइ। 34औरतें कलीसिया की सभा म चुप रहइ काहे ते उनका बातन क करइक आग्या नाहीं मुला अधीन रहइ कि आग्या हइ, जइस बेवस्था म लिखौ हइ। 35अउर अगर उइ कछु सीखउ चाहै, तौ घरमा अपन–अपन मरदन ते पूछैं, काहे ते औरत क कलीसिया म बातन क करब लज्जा केर बात हइ।

36परमेसुर क बचन तुइ मा ते निकरा हइ? या केवल तुइ तकै पहुंचावत हइ? 37अगर कउनउ मनई अपन आपु क भविसवकता या आतमन क जन समझै तउ ई जानि लेइ कि जउन बातन क हम तुमका लिखति हउ, उइ परभु की आग्यायें हइं। 38मुला अगर कउनउ न जानेइ तउन जावइ।

39यहिते हे भइयौं, भविसबानी करइ की धुन मा रहउ अउर दूसरि भासा बोलइ ते मना न करो। 40मुला सबही बाते सुचारु अउर क्रम के मुताबिक की जावैं।

मसीह जीवितो हुई

15 हे भाइयौ, हम तुहै उइ सुसमाचरु बताइत हइ जउन पहिलेइ सुनि चुकेन हइ। जिन्हका तुमहूं अंगीकारु किए रहौ, अउर जेहिमा तुइ स्थिरौ हउ। 2अगर ऊ सुसमाचारु क जउन हम तुहै सुनाएन रहइ, सुमिरन राखति हउ तउ उहिय ते तोहार उद्धारु होति हइ, नाहीं तउ तोहार विसवासु करब बेकार भयउ।

3ये ही कारन हम सबते पहिले तुहै वहै बात पहंचाइन, जउन मोहि पे पहुंची रहै कि पवित्तर सास्तर केर मुताबिक यीसु मसीह हमार पापन के खातिर मुआ। 4अउर गाड़ि दिया गवा अउर पवित्तर सासतर के मुताबिक तीसरे दिन जीवितौ हुइ गवा। 5अउर कैफाक तबै बारहन क दिखाई दिन। 6फिर पांच सौ ते अधिक भाईन क एकै साथ दिखाई दीन जिनमा ते बहुतेरे अबहिन तक मौजूद हइं, मुला कितनेइ सुनि गये। 7फिर याकूब का दिखाई दीन तब सबइ परेरितन क दिखाई दीन। 8अउर सबहिन के बाद मोहिका दिखाई दिन जउन मानउ अधूरे दिनन क जनमा हउ।

9काहे ते हम परेरितन म सबते छोट हउं, बल्कि परेरित कहलावै क जोग नाई, काहे ते हम परमेसुर कि कलीसिया क सातएन रहै। 10मुला हम जउन कछुइ हउं, परमेसुर क मुताबिक होते हउं अउर उइ का अनुगरह जउन मोहि पै भयो ऊ बेकार नाई भयो, मुला हम उइ सबन ते बढ़ि कइ परिसरमौ कीन, तबहूं ई मेरी ओर ते नाई भवा मुला परमेसुर क अनुगरह उ जउन मो पै रहै। 11वहु चाहै हम होउ, चाहे उइ होइ हम इहै परचार करति हइ अउर इहै पै तुमहूं विसवासु कियेउ।

मुरदा मनई हो दुईकारा जी जइहें

12यहिते जवै मसीह क यहु परचार कियइ जात हइ, कि ऊ मरे हुएन मरे मा ते जी उठा तऊ तुम मा ते केते काहे कहित हइ। 13कि मरे हुअन क पुनरुत्थान नाई तउ मसीहउ नाइ जी उठा। 14अउर अगर मसीह नाई जी उठा तौ हमार परचार करब बेकार हइ? अउर तोहार विसवासौ बेकार हइ। अगर परमेसुर मसीह क नाई जिलाइन अउर अगर मरे हुए नाई जी उठेत। 15तउ हम परमेसुर के झूठे गवाह ठहरे, काहे ते परमेसुर क बारे म ई गवाही दी कि उहि मसीह क जिलाइ दिहिस। 16अउर अगर मुरदे नाई जी उठेत तउ मसीहउ नाई जी उठा। 17अउर यहि मसीह नाई जी उठा तउ तुम्हार विसवासु बेकार हइ अउर तुइ अवहिन तलक अपने पापन म फंसे हउ। 18मुला जउन मसीह म सोइ गए हइ उइ ऊ नास भये। 19अगर हम केवल यही जीवन मसीह ते आसा राखति हइ तउ हम सबै मनइन से अधिकइ अयोग्य हइ।

20मुला सचमुव मसीह मुरदन मते जी उठा हइ अउर जउन मसीह म सोइ गये हइ। उइ मा पहिल फलु भयेउ। 21काहे ते जवइ मनई ते मिरतु आई तउ मनइय कि जरिये मरे हुएन क पुनरुत्थान आयउ। 22अउर जइस आदम म सब मरत हई वैसेइ मसीह म सब जिलाये जइहैं। 23मुला हर एकु अपन–अपन क्रम ते, पहिल फलु मसीह, फिर मसीह के आवइ पर उहिके लोग। 24ई के बाद अन्त होई। ऊ समय ऊ सारी परधानता अउर सारइ अधिकारु अउर सामरथ क अन्त करिकइ राज क परमेसुर बाप के हाथन म सौंपि देई। 25काहे ते जब तलक कि ऊ अपन बैरिन क अपन पांउ तले नाई लइ आई, तबै तलक ऊ का राज करब जरुरी हइ। 26सबते अन्तिम बैरी जउन नास किया जाई ऊ मरतू हई। 27काहे ते

परमेसुर सबै कछु ऊ के पावन तले करि दीन गवा हइ। ई ते साफ हइ कि जे सबइ कछु ऊ के अधीन करि दिया गवा। ऊ आपहि अलगइ रहा। 28अउर जबइ सबइ कछु ऊ के अधीन हु जइहैं, तउ बेटवा आपहिं ऊ के अधीन हुइ जइहैं, जैसे सबै कछु ऊ के आधीन करि दिहिस, काहे ते सबइ मां परमेसुर सब कुछ हइ।

29नाहीं तौ जउन लोग मरे हुएन के खातिर बपतिसमा लेत हइ, उइ का करिहैं अगर मुरदेउ न जी उठति, तउ फिर काहे उइके खातिर बपतिसमा लेत हइ। 30अउर हमहूं काहे हर घड़ी जोखिम म परे रहति हइं। 31हे भइयौं, मोहिका उइ घमन्डु कि कसम जउन हमार मसीह यीसु म हम तोहरे बारे म करति हइं, कि हम हर दिन मरति हन। 32अगर हम मनई की रीति पै इफिसुस म बन पसुन ते लड़ेन, तउ मोहिका का लाभु भवा? अगर मुरदे जिलाये लाहीं जइहैं तौ आपउ खाई–पी, काहे ते काल्हि तौ मरिही जाएक हवै। 33धोखन खायेउ बुरी संगति अच्छेउ चरित क बिगारि देत हइ। 34धरम के खारित जागि जाउ, अउर पापन करउ, काहे ते कितनेइ अइसे हइं जउन परमेसुर क नाहीं जानत, हम तुहै लज्जित करै के खातिर ई कहति हउ।

देह केर दुबारा जीवित होये केर बारे मा बात

35अब कउनउ ई कहि है कि मुरदे कउन रीति ते जी उठति हइं अउर कैसी देह के साथ आवति हइं। 36हे मूरख जउन कछु तुइ बोलति हइ, जब तलक ऊ न मरै जिलायउ नाहीं जाति। 37अउर जउन तुइ बोवति हइं। उई देह नाहीं पैदा होइ वाली हइ, मुला निरादाना हइ। चाहे गेहूं क चाहे कौनउ अउर अनाजु क। 38मुला परमेसुर अपनि इच्छा कि मुताबिक उइका देह देति हइ, अउर हर एक बीज क उइकी विसेस देह क। 39सबै सरीर एकै जइस नाई, मुला मनई केर सरीर अउर हइ, पसुन क सरीर अउर हइ, पच्छिन, क सरीर अउर हइ, मछरिन क सरीर अउर हइ। 40सरगौ कि देह हइ, अउर मिरतक देहैं हइं, मुला सरग कि देहन क तेजु अउर हइ अउर पारथव क अउर। 41सूरज क तेजु अउर हइ चांद क तेजु अउर हइ अउर तारागनन क तेजु अउर हइ। काहे ते एक तारे ते दूसर तारे क तेज म अन्तरु हइ।

42मुरदन क जी उठवौ ऐसइ हइ। सरीर नासमान दसा म बोवा जात हइ, अउर अविनासी रूप म जी उठति हइ। 43ऊ अनादर के साथ बोवा जात हइ, अउर तेज के साथ जी उठति हइ। निरबलता के साथ बोवा जात हइ, अउर सामरथ के साथ जी उठति हइ। 44पराकिरतिक देह बोई जाति हइ अउर आतमा कि देह जी उठति हइ। जबइ स्वाभाविक देह हइ, तौ आतमा कि देहौं हइ। 45ऐसेइ लिखउ हइ कि पहिल पुरुस यानी आदम, जीवित परानी बना अउर आखिरी आदम, जीवनदायक आतमा बना। 46मुला पहिले आतमा क नाई रहै, मुला भौतिक रहै, ई के बादि आतमिक भवा। 47पहिल मनई धरती ते, यानी मिट्टी केर हैं, दूसर मनइ सरग क हईं। 48जइस ऊ सरग क रहैं, वैसेइ अउरउ मिट्टी क हइं। जइस ऊ सरग क हइं, वइसइ औरउ सरग क हइं। 49जइसे हम ऊ का रूप जउन मिट्टी का रहै धारन किहिस वैसइ उइ सरगउ क रूप धारन करि हइं।

50हे भाइयो, हम कहति हउं कि मानउ अउर परमेसुर के राज क अधिकारी नाईं हुइ सकल अउर न विनासी अविनासी क अधिकारी हुइ सकत हइ। 51देखउ हम तुइते भेद की बात कहति हउं कि हम सबही तौ नाई सूतब मुला सब बदलि जइहइं। 52अउर ई छन भर म, पलक झपकत पाछिल तुरही फूंकतै होइ, काहे ते तुरही फूंकी जाई अउर मुरदे अविनासी दसा म उढ़ाए जइ हइं। अउर हम बदल जइवै। 53काहे ते ई अवस्यइ हइ कि ई नासमान देह अविनास क पहिर लेइ अउर ई मरनहार अमरता क पहिन लेई। 54अउर जवै ई नासमान अविनास क पहिर लेइ अउर ई मरन हार अमरता क पहन लेई तब ऊ बचनु जउन लिखा हइ; पूर होइ जाई कि जय मिरतू क निगलि लिहिस। 55हे मिरतू तोहरी जय कहां रही? 56हे मिरतू तोहरी डंक कहा रहा? मिरतू क डंक पापु हइ अउर पाप क बल बेवस्था हइ। 57परन्तु परमेसुर क धन्यवाद हइ, जउन हमरे परभु यीसु मसीह के जरिये हमका बिजयी करत हइ।

58यहिते हे हमरे पियारे भाइयों, दिरिढ़ अउर अटल रहउ अउर परभु क काम म सरवदा करौ काहे ते ई जानति हउ कि तोहार परिसरम परभु म बेकार नाई।

दान केर विसय मा आग्या देय जात है

16 अब उइ दान के बारे म जउन पवित्तर लोगन के खातिर किया जात है जैसी आग्या हम कलीसियन क दीन वैसेइ तुमौ करौ। 2हफ्ते के पहल दिन तुम मा ते हर एकु अपन आमदनी के मुताबिक कछु अपन पास छोड़ा करै, कि हमरे आवइ प चन्दा न करै क परै। 3अउर जबै हम आइब तौ जिनाहिन क तुइ चहिहउ उनहुन क हम चिट्ठिन क दइकइ भेजि देइब, कि तोहार दानु यरुसलेम पहुंचाइ

देह। 4अउर अगर हमारौ जाब उचित भवा तउ उइ हमरे साथइ जइहैं।

पौलुस केर जातरा

5हम यकि दुनिया हुइ कइ तुम्हरे पासइ आइब काहे ते मोहिका यकि दुनिया हुइ कइ तौ जावे के हइ। 6मुला सम्भव हइ कि तोहरे हियाँ ई ठहरि जाई अउर जाड़ा मां तोहरइ हिवा काटी, तब जेहि ओर हमार जाब होय, उइ ओर तुइ मोहिका पहुंचाई देव। 7काहे ते हम अब मारग म तुइते भेंट नाई कीन चाहित, मुला मोहिका आस हइ कि अगर परभु चाहइं तौ कछु समय तलक तोहरे साथ रहिहौं। 8मुला हम पेंत्तिफुस तलक इफसुस म रहिहौं। 9काहे ते हमार खातिर एकु बड़इ अउर उपयोगी दुआर खुलि हइं। अउर बिरोधी बहुत हइं।

10अगर तिमूथियुस आइ जांय तौ देखउ उइ तोहरे हिंया निडर रहैं। काहे ते उइ हमार नाई परभु केर काम करति हइं। 11यहिते कउनउ उहिका तुच्छ न जानैं, मुला उहिका कुसल ते ई ओर पहुंचाई देय कि हमरे पास आइ जाइ, काहे ते हम ऊ की राह ताकति रहउ हउं कि ऊ भाइन के साथ अवइ।

आखिरी सदेसु अउर अभिवादनु

12अउर भाई अपुल्लोस ते हम बहुत विनती कीन हइ कि तोहरे पास भाइन साथ आइ जाय, मुला उइ ई समय जाय कि कछुव इच्छा नाई कीन, मुला जबइ अवसरु पइहइं तबइ आइ जाई। 13जागत रहौ, विसवासु म इसथिर रहौ, साहसी बनौ, बलवन्त होउ। 14जउन कछु करति हउ परेम ते करौ।

15हे भाइयों, तुम इस्तिफनास क घराने क जानति हउ, कि उइ अख्या ते पहले क फल हंइ, अउर पाप लोगन की सेवा के खातिर तैयारु रहति हइ। 16यहिते हम तुमते बिनती करति हउ कि अइसने अधीन रहा, बल्कि हर एकै क जउन ई कारन म परिसरमी अउर सहकरमी हइं। अउर हम। 17इस्तिफानास अउर फनतुनातुस अउर अखइकुस के आवइ ते खुसी हउं, काहे ते उनहुन तोहारि घटी पूरी किहिन हइ। 18अउर उनहुन हमार अउर तोहार आतम क चैनु दिहिन हइं यहिते ऐसन क मानउ।

19आसिया के कलीसियन की ओर ते तुइ का नमस्कारु अक्विला अउर पिरिसीला का अउर उइके घर की कलीसिया कौ तुहे परभु म बहुत–बहुत नमस्कारु। 20सबै भाइन के तुइका नमस्कारु, पाक चुम्बन ते आपस म नमस्कारु करउ।

21मोहि पौलुस क अपन हाथ क लिखा भवा नमस्कारु, अगर कोई परभु ते परेम न राखै तौ वह सरापित हइ।

22हमार परभु आवइ वाले हइं।

23परभु यीसु मसीह क अनुगरह तुम पै होत रहइ।

24मोर परेम यीसु म तुम सबते रहै। आमीन।